आओ बनाएं बर्तन

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 98)

➢ कौए को कुल्हड़ की जरूरत क्यों पड़ी?

उत्तर कौए को पानी भरने के लिए कुल्हड़ की जरूरत पड़ी। वह पानी से अपनी चोंच धोना चाहता था।

➢ एक कुल्हड़ बनाने में किन-किन लोगों ने कौए की मदद की?

उत्तर निम्न लोगों और चीजों ने कुल्हड़ बनाने में कौए की मदद की–
लोहार, खुरपी, मिट्टी, खदान और कुम्हार

➢ कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार को किस-किस सामान की जरूरत पड़ी?

उत्तर कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार को मिट्टी तथा चाक की जरूरत पड़ी।

➢ क्या तुम्हारे घर में मिट्टी के बर्तन हैं? कौन-कौन से?

उत्तर हाँ, मेरे घर में मिट्टी के गमले रखे हैं।

➢ अगर तुम्हें कोई चिकनी मिट्टी दे, तो क्या तुम कोई बर्तन बना पाओगे?

उत्तर नहीं, मैं मिट्टी से कोई बर्तन नहीं बना पाऊँगा।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 99)

➢ अगर इन बर्तनों में पानी डालकर रात भर रखो, तो क्या होगा?

उत्तर मिट्टी पानी में गल जायेगी और बर्तन टूट जायेगा।

➢ हम अपने घर या स्कूल में मटके में पानी रखते हैं। वह मटका पानी से गल क्यों नहीं जाता?

उत्तर क्योंकि कुम्हार उन्हें आग में पकाता है।

➢ क्या तुमने कभी ईंट या बर्तनों को भट्टी में पकाते देखा है?

उत्तर नहीं, मैंने ईंट या बर्तनों को भट्टी में पकाते नहीं देखा है।

➢ अगर हम सबके पास केवल मिट्टी के बर्तन होते और सारे टूट या गल जाते, तब हम क्या करते?

उत्तर हम फिर से दूसरे बर्तन या तो खरीदकर लाते या बनाते।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 100)

➢ यदि हमारे पास मिट्टी के बर्तन हों और वे सभी टूट जाएँ अथवा खराब हो जाएँ तो हम क्या करेंगे?

उत्तर हम नये बर्तन खरीदेंगे या उनका निर्माण करेंगे।

➢ बहुत साल पहले जब बर्तन नहीं थे, तब लोग क्या करते थे?

उत्तर जब बर्तन नहीं थे, तब लोग पत्तों के दोने और केले के पत्ते का इस्तेमाल बर्तन की तरह करते थे।

➢ लोगों ने बर्तन क्यों बनाए होंगे?

उत्तर उन्हें पानी और दूध रखने की जरूरत पड़ी होगी, इसलिए लोगों ने बर्तन बनाए होंगे।

➢ मान लो, एक दिन दुनिया से सारे बर्तन गायब हो जाएँ, तो तुम्हारे घर में क्या होगा?

उत्तर अगर दुनिया से सारे बर्तन गायब हो जाएँ, तब बड़ा गजब हो जायेगा। मेरे घर में खाना नहीं बन पायेगा। हमें फल खाकर काम चलाना पड़ेगा। नल से सीधे पानी पीना पड़ेगा।